भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1493
बुधवार, 04 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

रडार नेटवर्क को बढ़ावा देने के लिये मिशन मौसम

†1493. श्री टी. एम. सेल्वागणपति:
श्री रमासहायम रघुराम रेड्डी:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने रडार नेटवर्क को बादलों को परिवर्तित करने तथा बनाने के लिए 2000 करोड़ रुपए के मिशन मौसम को मंजूरी दे दी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या मिशन मौसम पूर्वानुमान अवसंरचना के लिए व्यापक उन्नयन करने के साथ-साथ मौसम परिवर्तन को बेहतर ढंग से समझने के लिए अनुसंधान का वित्तपोषण करने में मदद करेगा और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) क्या सरकार को आशा है कि वर्ष 2026 तक 60 मौसम रडारों, 15 विंड प्रोफाइलरों और 15 रेडियों सोन्डों की खरीद और स्थापना की जाएगी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(घ) क्या भारत के पास 39 रडार हैं अथवा प्रत्येक 432 किमी के लिए लगभग एक रडार है जो देश के आकार और भौगोलिक परिवर्तनशीलता को देखते हुए बिल्कुल अपर्याप्त है क्योंकि मौसम में व्यापक रूप से भिन्नता हो सकती है; और
(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी हां। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दो वर्षों में 2,000 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ केंद्रीय क्षेत्र योजना 'मिशन मौसम' को मंजूरी दे दी है। मिशन मौसम को भारत के मौसम और जलवायु से संबंधित विज्ञान, अनुसंधान और सेवाओं को जबरदस्त बढ़ावा देने के लिए एक बहुआयामी और परिवर्तनकारी पहल माना गया है। यह नागरिकों और अंतिम छोर के उपयोगकर्ताओं सहित हितधारकों को चरम मौसम की घटनाओं और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से निपटने में बेहतर ढंग से तैयार करने में मदद करेगा।

(ख) जी हां। मिशन का फोकस विभिन्न प्रेक्षण नेटवर्कों को बढ़ाकर प्रेक्षणों में सुधार करना होगा, ताकि समय और स्थान के पैमाने पर अत्यधिक सटीक और समय पर मौसम और जलवायु संबंधी जानकारी प्रदान की जा सके, जिसमें मानसून पूर्वानुमान, वायु गुणवत्ता के लिए अलर्ट, चरम मौसम की घटनाएं और चक्रवात, कोहरा, ओलावृष्टि और बारिश आदि के प्रबंधन के लिए मौसम अंत:क्षेप, क्षमता बढ़ाना और जागरूकता सृजित करना शामिल है।

(ग) जी हां। हाल ही में शुरू किए गए मिशन मौसम का उद्देश्य पूरे देश में डॉपलर मौसम रडार (DWR) नेटवर्क को बढ़ाना है ताकि रडार कवरेज को पूर्ण किया जा सके और मौसम पूर्वानुमान प्रणाली की सटीकता को बढ़ाया जा सके। देश भर में 87 और डीडब्ल्यूआर, 15 रेडियोमीटर और 15 विंड प्रोफाइलर लगाने के लिए सटीक स्थानों का चयन किया जा रहा है, ताकि न केवल सतही माप बल्कि ऊपरी वायुमंडल की भी निगरानी की जा सके और मौसम पूर्वानुमान में सुधार किया जा सके।

(घ)-(ङ) जी हाँ। वर्तमान में, बारिश और गर्ज के साथ तूफानों की निगरानी के लिए देश भर में विभिन्न स्थानों पर 39 डॉपलर मौसम रडार स्थापित किए गए हैं। भारतीय क्षेत्र में गंभीर मौसम की स्थिति की निगरानी के लिए इन रडार के स्थानों को सर्वोत्तम संभव तरीके से वितरित किया गया है।

****